आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय **मांग संख्या 60**

500 करोड़ से कम परिव्यय वाली योजना

9. पीएम-स्वनिधि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**कार्य-निष्पादन 2025-26**			**परिणाम 2025-26**		
2025-26	**कार्य-निष्पादन**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
373	1. पथ विक्रताओं (एसवी) के लिए कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा	1.1 प्राप्त ऋण आवेदनों की संख्या (लाख में)		1. पथ विक्रताओं को शहरी इकोनॉमी में औपचारिक भूमिका देना	1.1. वितरित ऋणों का प्रतिशत (स्वीकृत में से)	
		1.2 स्वीकृत ऋणों की संख्या (लाख में)			1.2. वित्त वर्ष 2025-26 में वितरित ऋणों की कुल राशि (करोड़ रुपए में)	
	2. पथ विक्रताओंद्वारा ऋण का पुनर्भुगतान	2.1. वित्तीय वर्ष में नियमित पुनर्भुगतान वाले ऋणों का प्रतिशत (कुल वितरित ऋणों में से)		2. पथ विक्रेताओं के लिए कार्यशील पूंजी की निरंतर	2.1. बढ़ा हुआ ऋण पाने वाले पथ विक्रताओं का प्रतिशत (कुल वितरित ऋणों में से)	

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय **मांग संख्या 60**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	कार्य-निष्पादन 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	कार्य-निष्पादन	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		2.2 शहरी स्थानीय निकायों द्वारा जारी एलओआर (अनुशंसा पत्र) पाने वाले पथ विक्रेताओं की संख्या		उपलब्धता	2.2. एलओआर की सुविधा पाने वाले का प्रतिशत (एलओआर के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या की तुलना में जारी किए गए एलओआर की संख्या)	
	पथ विक्रताओं के डिजिटल भुगतानों को बढ़ावा देना	3.1. वित्तीय वर्ष में डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म से जुड़े स्ट्रीट वेंडरों की संख्या (लाख में)		3. पथ विक्रताओंके डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा	3.1 डिजिटल रूप से सक्रिय विक्रेताओं की संख्या (लाख में)	
					3.2. वित्तीय वर्ष में प्रति माह प्रति पथ विक्रेता डिजिटल लेनदेन की औसत संख्या	
	स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम के तहत पथ विक्रताओंके परिवार की कवरेज	4.1. वितरित कुल पथ विक्रेता ऋणों में से सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइजेंडर के अंतर्गत सर्वेक्षण में शामिल पथ विक्रेताओं की संख्या (लाख में)		4. स्ट्रीट वेंडर परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई	4.1. लाभ प्राप्त करने वाले स्ट्रीट वेंडर परिवारों की संख्या (लाख में)	
		4.2. स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम के तहत किए गए योजना आवेदनों की संख्या				

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	कार्य-निष्पादन 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	कार्य-निष्पादन	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		4.3 स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत कुल योजना आवेदनों में से योजना स्वीकृतियों की संख्या				
		4.4. श्रम योगी मानधन योजना के तहत नामांकित स्वनिधि लाभार्थियों की संख्या				
		4.5. नहीं। सुरक्षा बीमा योजना के तहत नामांकित स्वनिधि लाभार्थियों की संख्या				
		4.6. नहीं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) योजना के तहत नामांकित स्वनिधि लाभार्थियों की संख्या				

टिप्पणी: *पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण देने की अवधि केवल दिसंबर, 2024 तक है। योजना के अंतर्गत शेष घटक जैसे ऋण चुकौती, पदोन्नति स्ट्रीट वेंडरों के बीच डिजिटल भुगतान, स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम के तहत स्ट्रीट वेंडरों के परिवार का कवरेज, मार्च, 2028 तक जारी रहेगा।*

ऋण देने की अवधि को 31 दिसंबर 2024 से आगे 5 साल बढ़ाकर मार्च, 2029 तक बढ़ाने की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रकार, अब तक, उधार विस्तार की प्रत्याशा में घटक जोड़े गए हैं।

10. सीआईटीआईआईएस **2.0**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	कार्य-निष्पादन 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	**कार्य-निष्पादन**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
250	1. एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं का कार्यान्वयन	1.1 कार्यक्रम के कार्यान्वयन चरण की परिपक्वता और प्रारंभिक चरण को पूरा करने वाली परियोजनाओं का प्रतिशत	100%	1. एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना	1.1 एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए वृत्ताकार इकोनॉमी को बढ़ावा देने वाले चयनित शहरों की संख्या	18
					1.2 परियोजनाओं में जेंडर संबंधी उपकरणों और पद्धतियों (जेंडर संबंधी कार्य योजनाएं, पुरुषों/महिलाओं के लिए विशिष्ट परामर्श, आदि) को एकीकृत करने वाले शहरों की संख्या	
	2. जेंडर कार्य योजनाओं के विकास के माध्यम से जेंडर को शामिल करते हुए एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाएं	2.1 जेंडर कार्य योजना तैयार करने वाली परियोजनाओं की संख्या	18	**2.** साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से राज्यों और शहरों में जलवायु कार्रवाई को प्रोत्साहित करना	2.1 शहरों के लिए स्थापित राज्य जलवायु केंद्रों की संख्या	5
					2.2 विकसित एकीकृत राज्य जलवायु कार्य योजनाओं की संख्या	0

	3. चयनित शहरों में अधिकारियों की क्षमता विकास गतिविधियों का कार्यान्वयन	3.1 तैयारी, चयन, परिपक्वता और कार्यान्वयन चरणों के दौरान क्षमता विकास गतिविधियों से लाभान्वित होने वाले एसपीवी/यूएलबी अधिकारियों की संख्या	100	**3.** राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय शहरी पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु-उत्तरदायी और जेंडर-अनुकूल शहरी प्रथाओं को बढ़ावा देना	3.1 जेंडर पर ध्यान केंद्रित करते हुए एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु कार्रवाई संबंधी कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की संख्या	100
	4. शहरों हेतु राज्य जलवायु केंद्र (एस-सी3) की स्थापना / संचालन	4.1 शहरों हेतु स्थापित राज्य जलवायु केंद्रों की संख्या	5			
	5. नगरपालिका पदाधिकारियों हेतु व्यापक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का कार्यान्वयन - जलवायु परिवर्तन प्रबंधन में नेतृत्व (एलसीसीएम)	5.1 एलसीसीएम कार्यक्रम के माध्यम से प्रमाणित प्रतिभागियों की संख्या	50			
	6. एकीकृत राज्य जलवायु कार्य योजनाओं के निरूपण	6.1 तैयार की गई एकीकृत राज्य जलवायु कार्य योजनाओं की संख्या	0			

	हेतु सुविधा प्रदान करना					
	7. राष्ट्रीय जलवायु डेटा वेधशाला का संचालन	7.1 राष्ट्रीय जलवायु डेटा वेधशाला पर डेटासेट (डेटा प्रविष्टियाँ) की संख्या	0			
	8. भारत में शहरी पारिस्थितिकी तंत्र को लक्षित करते हुए ज्ञान प्रसार कार्यनीति का कार्यान्वयन	8.1 एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु-संबंधी एवं जेंडर-अनुकूल शहरी पद्धतियों पर ज्ञान उत्पादों की संख्या	2			
		8.2 सीआईटीआईआईएस के तहत एसपीवी/यूएलबी हेतु क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की संख्या	4			
	9.सीआईटीआईआईएस समूह के अंतर्गत चयनित शहरों के साथ-साथ अंतिम समूह के अंतर्गत चयनित न किए गए शहरों के लिए सहकर्मी शिक्षण तंत्र का विकास	9.1 सहभागी और गैर-सहभागी शहरों के बीच एक-दूसरे से सीखने संबंधी गतिविधियों/कार्यशालाओं की संख्या	1			

	10. एनआईयूए का संस्थागत सुदृढ़ीकरण	10.1 सीआईटीआईआईएस 2.0 के तहत विकसित टूल्स ट्रमेंटों का उपयोग करने वाले गैर-सीआईटीआईआईएस शहरों की संख्या	0			

11 . पीएचई क्षेत्र विकास योजना (पीएचई-एसडीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	कार्य-निष्पादन 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	कार्य-निष्पादन	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2	1. पीएचई प्रशिक्षण	1.1. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (अभ्यर्थियों की संख्या)	20	1. सेवारत कार्मिकों को नवीनतम तकनीकों और अन्यत्र अपनाए गए सर्वोत्तम अभ्यासों को अपनाने तथा अद्यतित जानकारी रहने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उपयोग समय-समय पर उनके संबंधित विभागों में विषय-वस्तु संबंधी कार्य निष्पादन में किया जाएगा।	1.1 संकेतक और लक्ष्य अनुकूल नहीं हैं	-
		1.2. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अभ्यर्थियों की संख्या)	50			-
		1.3. लघु अवधि पाठ्यक्रम (अभ्यर्थियों की संख्या)	25			-
	2. अनुप्रयुक्त अनुसंधान	2.1 अनुमोदित अनुप्रयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं की कुल संख्या (संख्या)	10	2. पीएचई क्षेत्र के संबंध में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियां और डिजाइन दिशानिर्देश विकसित करना।	2.1 संकेतक और लक्ष्य अनुकूल नहीं हैं	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**उत्पादन 2025-26**			**परिणाम 2025-26**		
2025-26	**उत्पादन**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
	3. तकनीकी मैनुअल / दिशानिर्देश / परामर्शिका	3.1. क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार मैनुअल का परिशोधन/अद्यतनीकरण तथा परामर्शिका तैयार करना (संख्या)	2	3. शहरी स्थानीय निकायों का क्षमता निर्माण और पीएचई क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं की आयोजना और कार्यान्वयन में मार्गदर्शन प्रदान करना।	3.1 संकेतक और लक्ष्य अनुकूल नहीं हैं	-